an>

title: Need to take measures for effective managment of urban transport system in the country.

डॉ. मनोज राजोरिया (करौली-धौलपुर) ः मैं सरकार का ध्यान शहरी परिवहन में भीड़-भाड़ की समस्या एव उससे जुड़ी संभावनाओं पर आकर्षित करना चाहता हूँ।

12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए शहरी परिवहन पर कार्यसमूह रिपोर्ट के अनुसार 2021 तक शहरी जनसंख्या की वृद्धि दर लगभग 2 गुनी हो जाएगी एवं शहरी जनसंख्या के लगभग 60 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इससे चुनौती दो गुनी हो जाएगी क्योंकि शहरी परिवहन सुविधाओं में अभी भी कमी है। जिसकी वजह से निम्नलिखित समस्याएं विद्यमान हैं-

1. अत्यधिक भीड़-भाड़।
2. शहरी परिवहन की गतिशीलता कम है।
3. ट्रैफिक टाइम अधिक है।
4. दुर्घटना की अधिकता।
5. आपातकाल सुविधाओं की पहुंच में देरी।

उपरोक्त समस्याओं से संबंधित निम्नलिखित कारण हैं-

1. सड़क के प्रयोग में असंतुलन।
2. शहरीकरण की तेज दर।
3. गांव से शहरों की ओर पलायन।
4. बढ़ती मांग के अनुसार बुनियादी सुविधाओं में वृद्धि न होना।
5. सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में समयबद्धता, सुरक्षा की कमी, आदि।

इन समस्याओं को खत्म करने के लिए मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि उपरोक्त समस्याओं एवं उनके समाधान पर ध्यान देने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार ने 170 शहरों को करीब 26,000 आधुनिक बसें खरीदने की सहायता दी है, परंतु साथ ही साथ बस सेवा की गुणवत्ता बनाने, प्रशिक्षित ड्राइवर तथा स्टाफ रखने, समयबद्धता एवं सुरक्षा को बढ़ावा देना तथा पब्लिक प्रैंडली बस सुविधा प्रदान करने की जरूरत है। एंड प्लेस और एंड परसन तक कनैक्टिविटी होनी चाहिए और साथ ही, शहरी गतिशीलता के प्रबंधन के लिए एक समर्पित एजेंसी बनाने की जरूरत है, जिससे ट्रैफिक और उससे जुड़ी समस्याएं एक ही गवर्निंग बॉडी द्वारा प्रबंधित की जा सकें।